

I N H A L T S V E R Z E I C H N I S

(in Klammern Titel der Buchfassung)

| | |
|--|-----------|
| 1. Ursprünglicher Spiegel (Fremde Handschrift, von Karl Kraus ergänzt) | Bl. 1 - 5 |
| 2. Sittlichkeit und Kriminalität | 6 - 29 |
| 3. Die Presse als Kupplerin | 30 - 31 |
| 4. Die Hetzjagd auf das Weib | 32 - 36 |
| 5. Ein Unhold | 37 - 42 |
| 6. Erpressung | 43 - 59 |
| 7. Ethik und Strafgesetz | 60 - 64 |
| 8. Zwei Urtheile | 65 - 68 |
| 9. Irrenhaus Österreich | 69 - 89 |
| 10. Der Fall Hervay | 90 - 100 |
| 11. Der Hexenprozeß von Leoben | 101 - 120 |
| 12. Die Memoiren der Frau v. Hervay | 121 - 124 |
| 13. Die Balletsteuer | 125 - 130 |
| 14. Montignoso | 131 - 137 |
| 15. Verbrecher gesucht | 138 - 142 |
| 16. Sexualjustiz (Eros und Themis) | 143 - 148 |
| 17. Theatermoral | 149 - 153 |
| 18. Zum Prozeß Klein | 154 - 156 |



INHALTSVERZEICHNIS

(in Klammern Titel der Buchausgabe)

| | | |
|-----|-----|--|
| 2 | 1 | 1. Urprünglicher Spiegel (frühere Handschrift, von Karl Kraus ergänzt) |
| 29 | 2 | 2. Stille und Kriminalität |
| 31 | 30 | 3. Die Prose als Kupplerin |
| 36 | 32 | 4. Die Hezjad auf das Weib |
| 42 | 37 | 5. Ein Unhold |
| 49 | 43 | 6. Fipressung |
| 64 | 60 | 7. Ränk und Strafgesetz |
| 68 | 65 | 8. Zwei Urtheile |
| 89 | 89 | 9. Exzentrischer Österreich |
| 100 | 90 | 10. Der Fall Hervey |
| 101 | 120 | 11. Der Hexenprozess von Leoben |
| 121 | 124 | 12. Die Memoiren der Frau v. Hervey |
| 125 | 130 | 13. Die Ballettstar |
| 131 | 137 | 14. Montignone |
| 138 | 142 | 15. Verbrechen gesucht |
| 143 | 148 | 16. Sexualjustiz (Prosa und Thema) |
| 149 | 158 | 17. Theatermoral |
| 154 | 164 | 18. Vom Pöbel |

